पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

डॉ0 कलाम मूलतः शिक्षक थे - राज्यपाल

लखनऊः 26 जुलाई, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनऊ एवं डॉ0 कलाम सेंटर द्वारा होटल रेनायसंस मेरियट, गोमती नगर में आयोजित दो दिवसीय 'डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम स्मृति अंतर्राष्ट्रीय युवा कान्क्लेव' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्राविधिक शिक्षा मंत्री श्री फरीद महफूज़ किदवई, प्रमुख सचिव प्राविधिक शिक्षा सुश्री मोनिका गर्ग, कुलपति प्रो0 विनय पाठक, स्व0 डॉ0 कलाम के सहयोगी श्री सृजन पाल सिंह सहित अन्य विशिष्टजन उपस्थित थे।

राज्यपाल ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर सम्बोधित करते हुए कहा कि कल डॉ0 कलाम की प्रथम पुण्य तिथि है। ऐसे में डॉ0 कलाम के विचार को समझने व उनसे प्रेरणा लेने के लिए ऐसे आयोजन प्रशंसनीय हैं। डॉ0 कलाम का व्यक्तित्व उनके ज्ञान के आधार पर हिमालय जैसा था। डॉ0 कलाम के ज्ञान के आधार पर उन्हें आधुनिक संत या संत शिरोमणि भी कहा जा सकता है। डॉ0 कलाम मूलतः शिक्षक थे जिनके पास सेवानिवृत्ति जैसा कोई शब्द नहीं था। जैसे सैनिक लड़ते-लड़ते वीरगति को प्राप्त होते हैं उसी प्रकार डॉ0 कलाम छात्रों को सम्बोधित करते हुए दुनिया से विदा हो गये। उन्होंने कहा कि डॉ0 कलाम की बातों को व्यवहार में कैसे लाये यह चर्चा का विषय है।

श्री नाईक ने कहा कि प्राकृतिक संसाधन को उपयोग करने के लिए डॉ0 कलाम के मन में स्पष्ट कल्पना थी, जिसे वे आसानी से दूसरों तक पहुँचाते थे। डॉ0 कलाम ने युवाओं का आह्वान करते हुए यह भी कहा था कि खुली आंखों से सपने देखें और उसे साकार करने का प्रयास करें। डॉ0 कलाम कहते थे कि भारत युवाओं का देश है। 2020 तक भारत विश्व का सबसे युवा देश होगा। युवा पूंजी को सही ढंग से उपयोग में लाये। सही उपयोग नहीं होगा तो यह पूंजी जिम्मेदारी बन जायेगी। सही मार्ग दर्शन के अभाव के कारण पूरे विश्व में आतंकवाद फैल रहा है। युवा पीढ़ी का उपयोग पूंजी के रूप में कैसे करें, यह विचार का विषय है।

राज्यपाल ने कहा कि 5 हजार वर्ष पहले भारत ने दुनिया के सामने 'वसुधैव कुटुम्बकम' की बात रखी थी। संसद भवन के द्वार पर श्लोक लिखा है जो भारतीय विचारों के तत्व ज्ञान को बताता है कि यह मेरा है यह तेरा है, ऐसा विचार छोटे मन वालों को आता है। जबकि उदार चरित्र वालों के लिए सारा विश्व एक परिवार है। उन्होंने कहा कि जिन के पास गुण हैं, अच्छे विचार है, अच्छे काम करने की ताकत है, ऐसे लोग राजनीति में आने से बचते हैं। जब अच्छे लोग राजनीति में नही आयेंगे तो खाली जगह खराब लोगों से भरेगी।

इस अवसर पर श्री फरीद महफूज किदवई ने कहा कि देश को नौजवानों से बहुत उम्मीद हैं। नयी पीढ़ी मुल्क की शान को समझे। पूरा विश्व भारतीय संस्कृति पर आश्चर्य करता है कि हमारे यहाँ विविधता में एकता है। उन्होंने कहा कि डॉ0 कलाम के अभियान को आगे बढ़ाने की जरूरत है।

राज्यपाल ने इस अवसर पर डॉ0 कलाम के मिशन से जुड़े लोगों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया। सम्मानित होने वालों में श्री विकास अग्रवाल, सिंगापुर के युवा उद्यमी श्री आनन्द गोविंद, श्री अमिताभ शाह, श्री विवेक, श्री बाला साहब, सुश्री लक्ष्मी शाह, श्री आलोक दीक्षित सहित अन्य लोगों भी थे।

अंजुम/ललित/राजभवन (259/29)

DR. APJ ABDUL KALAM MEMORIAL
INTERNATIONAL YOUTH CONCLAVE
Creating Livable Planet Earth

DR. APJ ABDUL KALAM MEMORIAL
INTERNATIONAL YOUTH CONCLAVE
Creating Livable Planet Earth
Inaugural Session
Chief Guest